रोम, इटली में जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के 7वें शिखर सम्मेलन (पी-20) में 'सामाजिक और पर्यावरणीय संधारणीयता के संदर्भ में आर्थिक विकास को फिर से पटरी पर लाना" विषय पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

माननीय अध्यक्ष और शिष्टमंडल के प्रतिष्ठित सदस्यगण,

---

1. एक सस्टेनेबल विश्व के निर्माण के लिए Climate Change और ग्लोबल वार्मिंग मानवता के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। हमें इसका एक ऐसा समाधान निकालना है, जो पर्यावरण संरक्षण भी करे और आर्थिक विकास की हमारी आवश्यकताएं भी पूर्ण करे। इसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा संवाद के लिए हम यहां एकत्र हुए हैं।

2. साथियो, वर्ष 2015 मानव इतिहास के लिए एक Landmark वर्ष था, क्योंकि इसी वर्ष पहली बार विश्व के सभी देशों द्वारा व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास तथा बेहतर विश्व के निर्माण के लिए आवश्यक माने जाने वाले सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (SDG) तय किए गए थे और यह सामूहिक संकल्प लिया गया था कि उन्हें वर्ष 2030 तक प्राप्त कर लिया जाएगा।

3. कोविड महामारी के संदर्भ में आज हमारे सामने चुनौती है कि हम किस प्रकार निर्धारित समय सीमा के अंदर इन Goals को प्राप्त करें।

4. जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व को प्रभावित कर रहा है। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गयी तो इसके गम्भीर परिणाम होने का अंदेशा है। विकासशील देशों में लोगों के जीवन और आजीविका पर इसके प्रत्यक्ष परिणाम दिखने लगे हैं।

5. मानवता की रक्षा हेतु ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें तेज गति से वैश्विक स्तर पर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। भारतीय संसद द्वारा इस महत्वपूर्ण विषय पर व्यापक चर्चा हुई है तथा चर्चा के पश्चात् हमने पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित कई कानून पारित किए हैं।

6. भारत ने पर्यावरण सुरक्षा के अपने अंतर्राष्ट्रीय संकल्पों को पूरा करने के लिए गंभीरता से प्रयास किए हैं। हमने 2005 की तुलना में अपने GDP की एमिशन तीव्रता में 24 प्रतिशत की कमी निर्धारित समय से पहले ही कर ली है और हम इस इंटेंसिटी में 35 प्रतिशत की कमी को निर्धारित समय अर्थात वर्ष 2030 से बहुत पहले प्राप्त कर लेंगे।

7. इसी प्रकार, हम अपने अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप CO2 एमिशन, CFC तथा HFC के एमिशन को बहुत हद तक कम करने में सफल रहे हैं।

8. हम अपने दायित्वों को ही पूर्ण नहीं कर रहे हैं बल्कि Climate Change के क्षेत्र में हम pro-active रूप से कार्य कर रहे हैं। 98 देशों की इंटरनेशनल सोलर एलायंस की स्थापना तथा 25 देशों की CDRI (Coalition for Disaster Resilient Infrastructure) पृथ्वी के Green Future के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

9. आज रिन्यूएबल Energy की दृष्टि से भारत विश्व के पहले 5 देशों में एक है। देश के Energy Basket में फॉसिल फ्यूल का प्रतिशत धीरे धीरे कम हो रहा है।

10. मित्रों, Post-Covid विश्व में आर्थिक विकास को रिबूट करने के लिए हमारे देश में एक साथ कई स्तरों पर कार्रवाई की जा रही है।

11. हमारे देश की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी गाँवों में रहती है। इसलिए Rural Economy को सशक्त करने के लिए हमारे देश की सरकार ने गम्भीर प्रयास किए हैं।

12. ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना के माध्यम से निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए गए हैं तथा उजाला योजना के माध्यम से LED बल्ब का वितरण किया गया है। इनके साथ किसानों के लिए सोलर Pumps का वितरण किया जा रहा है तथा Bio-Fuels के द्वारा renewable एनर्जी को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इनसे ग्रामीण क्षेत्रों में न सिर्फ़ प्रदूषण की समस्या का समाधान होगा बल्कि उनका आर्थिक विकास भी होगा।

13. इसी प्रकार परम्परागत रूप से वन क्षेत्रों में रहने वाले तथा जनजातीय समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक क़ानून बनाए गए हैं ताकि उनकी आजीविका की सुरक्षा के साथ साथ वनों का भी संरक्षण और संवर्धन हो सके।

14. हमारे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। पिछले वर्षों में देश में न सिर्फ़ Forest Cover में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है बल्कि हमारी Bio Diversity भी समृद्ध हुई है। आज भारत विश्व के 17 मेगा बायो डायवर्स देशों में एक है।

15. इसी प्रकार Urban Economy को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए स्मार्ट सिटी योजना पर काम हो रहा है जिससे हमारे नगर प्रदूषण से मुक्त हो रहे हैं।

16. शहरी क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है तथा सोलर panels के उपयोग से ग्रीन energy एवं water हार्वेस्टिंग जैसे सस्टेनेबल टेकनीक अपनाए जा रहे हैं। यह एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी के साथ आर्थिक विकास के प्रति हमारे संकल्प को प्रदर्शित करता है।

17. हमारा लक्ष्य है कि Clean एवं Green Energy सभी के लिए सुलभ हो। Climate Change Performance Index में भारत ने दुनिया के टॉप 10 प्रमुख देशों में अपनी जगह बना ली है।

18. हमारा देश Climate Justice के क्षेत्र में leader की भूमिका में है। Climate Change के क्षेत्र में हम आज बहुआयामी भूमिका निभा रहे हैं।

19. एक तरफ़ Global North के साथ हम पार्टनर की भूमिका में हैं तो दूसरी ओर Global South के लिए हम एडवोकेट का काम कर रहे हैं।

20. साथियो, सस्टेनेबल पर्यावरणीय विकास से ही सस्टेनेबल सामाजिक विकास हो सकता है। मुझे आपको बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि भारत सरकार ने इन वर्गों के आर्थिक एवं सामाजिक एंपावरमेंट के लिए कई इनिशिएटिवस लिए हैं।

21. खाद्य सुरक्षा एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क़ानून लाने के अतिरिक्त हमारे देश में "एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड" व्यवस्था लागू की गयी है जिसके अंतर्गत सभी नागरिकों को पूरे देश में कहीं भी अनाज दिया जाएगा।

22. संसद एवं सरकार के बीच व्यापक चर्चा एवं सकारात्मक संवाद से समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों को सोशल सिक्योरिटी, इनकम सिक्योरिटी, जॉब सिक्योरिटी तथा हेल्थ सिक्योरिटी देने के लिए आवश्यक विधान बनाए गए हैं।

23. अंत में, मैं यह कहना चाहूंगा कि किसी भी देश की संसद उसके विधायी, बजटीय और निगरानी संबंधी कार्यों में मुख्य भूमिका निभाती है। यह जनता की भावनाओं को अभिव्यक्त करती है। इसलिए, जनप्रतिनिधियों का यह दायित्व है कि वे महामारी के प्रभाव से उबरने के लिए एक ऐसा मार्ग ढूंढने में सहायता करें जो सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से सस्टेनेबल हो।

24. एक बेहतर विश्व के निर्माण के लिए ' ऊर्जा, जलवायु संरक्षण तथा विकास ' ये तीनों ही आवश्यक हैं। हमारे देश की विकास नीति economy और ecology दोनों को साथ लेकर चलने की संकल्पना पर ही आधारित है। हमारा मानना है कि सतत विकास ही आत्मनिर्भर भारत का आधार है।

25. जनसंख्या की दृष्टि से देखें तो विश्व का प्रत्येक छठा नागरिक एक भारतीय है। इसलिए यदि भारत सफल होता है, तो यह विश्व की सफलता है।

26. आज हम एक बड़े वैश्विक विज़न से एक ऐसे विश्व के निर्माण के लिए कार्य कर रहे हैं जिसमें Energy justice हो, Climate Justice हो एवं Economic Justice भी हो।

27. हमारा लक्ष्य है कि हम Global South तथा Global North के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करें ताकि एक समेकित वैश्विक कार्यनीति विकसित हो जो पूरे विश्व के भविष्य का आधार बने।

आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद।